MOU : MGUG With NBRI

दिनांक 02.04.2024 को महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर (एमजीयूजी) ने अनुसंधान एवं शैक्षणिक कार्यक्रमों को बढ़ावा देने के लिए राष्ट्रीय वनस्पति अनुसंधान संस्थान, लखनऊ के साथ समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किया है। इस ज्ञापन पर हस्ताक्षर एमजीयूजी के कुलपति मेजर जनरल (डॉ.) अतुल बाजपेयी और लखनऊ स्थित राष्ट्रीय वनस्पति अनुसंधान संस्थान के निदेशक डॉ. अजीत कुमार शासनी ने किया। इस समझौते के तहत सहयोग के प्रमुख क्षेत्रों में कृषि एवं जैव प्रौद्योगिकी आधारित अनुसंधान एवं शैक्षणिक आदान-प्रदान के तहत वर्तमान और भविष्य की जरूरतों को पूरा करने के लिए युवा शोधकर्ताओं की विशेषज्ञता व कौशल को बढ़ाने के लिए क्षमता विकास और विनिमय कार्यक्रम शामिल हैं। इसके अलावा, संस्थानों का लक्ष्य इस साझेदारी के माध्यम से संयुक्त अनुसंधान और विकास परियोजनाओं को विकसित और कार्यान्वित करना है।

डॉ. अतुल बाजपेयी ने संस्थानों के बीच समझौते का स्वागत किया और इसे कृषि अनुसंधान और संबद्ध विज्ञान के विभिन्न विषयों में शैक्षणिक, अनुसंधान, और प्रशिक्षण गतिविधियों के प्रचार और साझा उद्देश्यों के प्राप्ति के लिए मील का पत्थर बताया। राष्ट्रीय वनस्पति अनुसंधान संस्थान, लखनऊ की ओर से निदेशक डॉ. अजीत कुमार शासनी ने शोध एवं कौशल विकास कार्यक्रमों, अनुसंधान और विकास पहलों के माध्यम से पूर्वांचल में पुष्पोद्पादन की उत्पादकता बढ़ाने की योजना भी साझा की। समझौता करार का स्वागत करते हुए डॉ. जी. एन. सिंह (सलाहकार मुख्यमंत्री, उत्तर प्रदेश) ने कहा कि "इस करार से पूर्वांचल के विधार्थी शोध के क्षेत्र में उन्मुख होंगे व किसानो की कृषि आधारित मूल समस्या का निराकरण होगा"। महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर समझौता समन्वयक, कृषि संकाय अधिष्ठाता डॉ. विमल दूबे और राष्ट्रीय वनस्पति अनुसंधान संस्थान के वैज्ञानिक डॉ. श्रीकृष्ण तिवारी, डॉ. शरद श्रीवास्तव और डॉ. मनीष भोयार इस एमओयू हस्ताक्षर समारोह के दौरान उपस्थित रहे।